केवल अनुपस्थित परीक्षार्थीओं के लिए : केवल 'बारकोड' अंकित यही एकमात्र पृष्ठ नीचे दी गई रेखा से काटकर पत्रक - A तथा पत्रक - B के साथ वापस भेजना है ।

सत्संग शिक्षण परीक्षा

बोचासणवासी श्री अक्षरपुरुषोत्तम स्वामिनारायण संस्था, शाहीबाग, अहमदाबाद - ३८०००४.

सत्संग प्रवीण : प्रश्नपत्र - १

रविवार, ६ मार्च, २०२२ समय : सुबह ९.०० से १२.००

अनुपस्थित परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका का केवल यही पृष्ठ वापस भेजना है ।

☞ **परीक्षार्थी के नाम सम्बंधित विवरण के साथ 'बारकोड' अंकित किया गया है । कृपया उस पर किसी प्रकार का नुक़सान मत किजिए ।**

☞ अनिवार्य : निम्न लिखित सूचना की परीक्षार्थी को अपने आप पूर्ति करनी है ☜

बिना वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर की उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी ।

परीक्षार्थी का जन्म दिन दिनांक ☐☐ महिना ☐☐ वर्ष ☐☐☐☐

परीक्षार्थी का अभ्यास .....

परीक्षार्थी की उत्तर पुस्तिका पर अंकित नाम सहित अनिवार्य विवरण की सत्यता की जाँच करने के पश्चात् वर्ग निरिक्षक हस्ताक्षर करें ।

वर्ग निरिक्षक के हस्ताक्षर .....

☞ **पीछे दी गई सूचनाओं का अवश्य पालन करें ।**

परीक्षक के हस्ताक्षर .....

परीक्षक की नोंध :-

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१ (४)	
	२ (६)	
	३ (५)	
	४ (४)	
	५ (८)	
	६ (८)	
	७ (७)	
	८ (५)	
	विभाग-१, कुल गुण (४७)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	९ (९)	
	१० (५)	
	११ (८)	
	१२ (८)	
	१३ (८)	
	विभाग-२, कुल गुण (३८)	

मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्रश्न नंबर (गुण)	प्राप्तांक
	१४ (१५)	
	विभाग-३, कुल गुण	

મોડરેશન વિભાગ માટે જ

ગુણ આંકડામાં ☐☐

શબ્દોમાં .....

ચેકરનું નામ

☞ परीक्षार्थीओं को महत्वपूर्ण सूचनाएँ ☜

१. परीक्षार्थी सत्संग प्रारंभ से प्राज्ञ - ३ तक की क्रमशः हर परीक्षा उत्तीर्ण करने के बाद ही अगली परीक्षा दे सकते हैं।

२. सत्संग शिक्षण परीक्षा के मुख्य दिन परीक्षार्थी के नामलिखित मुख्य पृष्ठ परीक्षा कार्यालय द्वारा प्रिन्ट करके भेजा जाता है। उसके अनुसार ही परीक्षार्थी को परीक्षा की श्रेणी (प्रारंभ, प्रवेश, परिचय आदि...) एवं माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) में परीक्षा देनी होंगी। **इसमें किसी प्रकार का परिवर्तन करके दी गई परीक्षा मान्य नही होगी।**

३. परीक्षार्थी को पूर्वकसौटी के प्रश्नपत्र की श्रेणी (प्रारंभ, परिचय, प्राज्ञ-१, केवल प्रथम.....) एवं परीक्षा के माध्यम (गुजराती, हिन्दी, English) अनुसार ही मुख्य परीक्षा देनी होगी। पूर्वकसौटी की जानकारी के अनुसार परीक्षा केन्द्र के मुख्य परीक्षा कार्यकर्ता को अंतिमसूची (Final List) भेजी जाती है, उसके अनुसार ही मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा देनी होगी। **अंतिमसूची से अलग दिये गए विवरणवाली परीक्षा रद्द मानी जाएगी और एसी उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

४. मुख्य परीक्षा के दिन परीक्षा खंड में उपस्थित हर एक परीक्षार्थी अपनी नामलिखित उत्तर पुस्तिका लेकर तथा उसमें मांगा गया अन्य विवरण (जन्म दिनांक, शिक्षा) लिखकर वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर अवश्य करवा लें। **वर्ग निरीक्षक के हस्ताक्षर बिना लिखी गई उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

५. परीक्षार्थी केवल ब्लू या काली स्याही वाली पेन से ही उत्तर पुस्तिका में उत्तर लिखें। पेन्सिल अथवा लाल, हरी या अन्य स्याही से लिखे गए उत्तर या एक से ज्यादा स्याही से **लिखी गई उत्तर पुस्तिका मान्य नहीं होगी।**

६. सूचनानुसार प्रश्नों के उत्तर दीजिए। काटकूट किए हुए उत्तर मान्य नहीं होंगे। अस्पष्ट और पढ़ा न जा सके, ऐसे उत्तर मान्य नहीं होंगे। **एक से ज्यादा प्रकार के अक्षरों की लिखावटवाली उत्तर पुस्तिका रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

७. **परीक्षा खंड के बाहर** अथवा अन्य सभी परीक्षार्थीओं से अलग या परीक्षा के नियमों का उल्लंघन कर के दी गई परीक्षा मान्य नहीं होगी।

८. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदाबाद की पूर्व अनुमति के बिना मूल परीक्षार्थी के बदले 'स्थानापन्न' या 'सबस्टीट्युट राइटर' अथवा 'दूसरे व्यक्ति' द्वारा लिखी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका रद्द मानी जाएगी।**

९. **सत्संग शिक्षण परीक्षा कार्यालय, अहमदावाद को पूर्व अवगत किए बिना, रजिस्टर्ड परीक्षा केन्द्र के बदले में अन्य परीक्षा केन्द्र से दी गई परीक्षा रद्द (केन्सल) मानी जाएगी और उसका मूल्यांकन भी नहीं किया जाएगा।**

१०. सत्संग प्रवेश, परिचय, प्रवीण एवं सत्संग प्राज्ञ (प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्रों में रजिस्टर्ड हुए) के लिए परीक्षार्थियों को दोनों प्रश्नपत्रों की परीक्षा देनी अनिवार्य है। **किसी भी एक ही प्रश्नपत्र की दी गई परीक्षा की उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

११. **मुख्य परीक्षा के दिन उत्तर पुस्तिका के अलावा अतिरिक्त पन्नों में लिखे हुए उत्तरों का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।**

१२. **परीक्षा-कक्ष में परीक्षा के दौरान** किसी भी परीक्षार्थी को मोबाईल फोन तथा इलेक्ट्रॉनिक साधन जैसे टेब्लेट, लेपटॉप आदि का उपयोग करने तथा उसे अपने पास रखने की अनुमति नहीं है।

१३. **प्राज्ञ की परीक्षा का फॉर्म भरने से पहले निम्नलिखित मुद्दे ध्यान में रखें।**

- परीक्षार्थी एक ही साल में दोनो प्रश्नपत्र दे सकता है। अथवा पहले साल में पहला प्रश्नपत्र और दूसरे साल में दूसरा प्रश्नपत्र दे सकता है। **पहले प्रश्नपत्र में उत्तीर्ण (पास) होने के बाद ही दूसरा प्रश्नपत्र दिया जा सकता हैं।** प्राज्ञ परीक्षा में केवल प्रथम प्रश्नपत्र या दूसरा प्रश्नपत्र देनेवाले को उत्तीर्ण होने के लिए उस प्रश्नपत्र में ४५ अंक प्राप्त करना आवश्यक है।
- जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनो प्रश्नपत्र में रजिस्ट्रेशन कराया हो और यदि वह परीक्षार्थी किसी एक प्रश्नपत्र में ही उपस्थित रहता है और दूसरे प्रश्नपत्र में अनुपस्थित रहता है, **तो एक प्रश्नपत्र की दी गई उत्तर पुस्तिका का मूल्याकंन नहीं किया जाएगा।** जिस परीक्षार्थी ने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र दिए हों, उसे उत्तीर्ण होने के लिए ९० अंक प्राप्त करने होंगे।
- प्राज्ञ परीक्षा देने वाले सभी परीक्षार्थी कृपया ध्यान रखें कि जो परीक्षार्थी अलग-अलग साल में प्रश्नपत्र प्रथम और प्रश्नपत्र दूसरा देते हैं, उनको प्रथम प्रश्नपत्र ४५ या उससे ज्यादा अंक से उत्तीर्ण करने के बाद **दूसरा प्रश्नपत्र ज्यादा से ज्यादा एक ही साल के विराम के बाद देना होगा।** एक से ज्यादा साल की अनुपस्थिति के बाद दिया हुआ दूसरा प्रश्नपत्र स्वीकृत नहीं होगा। **ऐसे परीक्षार्थी को पुनः प्राज्ञ का प्रथम प्रश्नपत्र अथवा दोनों प्रश्नपत्र देने होंगे।**
- प्राज्ञ परीक्षा के पारितोषिक विजेता की सूची में आनेवाले परीक्षार्थी में से जिन्होंने प्राज्ञ के दोनों प्रश्नपत्र एक साथ एक ही साल में दिया हो, **उनको १० प्रतिशत (फिसदी) अंक पुरस्कार के रुप में दिए जाएगें** और इस तरह परीक्षार्थी पुरस्कार के योग्य माना जाएगा।
- **नोंध :** जिस परीक्षार्थी ने **भारत की प्रवीण परीक्षा** उत्तीर्ण की हो, ऐसे ही परीक्षार्थी प्राज्ञ-१ परीक्षा दे सकते हैं।

१४. **अवैद्य रजिस्ट्रेशन!!! परिणाम नहीं मिलेगा!!!**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १ गुण - ४		नाम

विभाग - १ : श्री अक्षरपुरुषोत्तम उपासना

प्र. १ निम्नलिखित प्रसंगो में से किसी भी एक प्रसंग का वर्णन करके सिद्धांत लिखें। (कुल गुण : ४)

१. भोयका गाँव के मालजी सोनी को अक्षरधाम की पहचान

२. वाघाखाचर की निरावरण दृष्टि

३. वे जहाँ हैं, वहीं मैं हूँ और जहाँ मैं हूँ, वहीं वे हैं।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिद्धांत : .....

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. २ निम्नलिखित किसी भी दो विषय के संदर्भ में शास्त्र के तीन प्रमाण दीजिए।
(संदर्भ शास्त्र का नाम और क्रमांक लिखना अनिवार्य है।) (कुल गुण : ६)

१. दिव्यभाव
२. उत्पत्ति सर्ग
३. अक्षरब्रह्म : साकार मूर्तिमान सदा दिव्यविग्रह

( ) ....

गुण : ३	

( ) ....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - २ गुण - ६		नाम	प्र - ३ गुण - ५		नाम

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... | गुण : ३ | |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक	☞		☜	केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

प्र. ३ प्रमाण, सिद्धांत अथवा पंक्ति पर से विषय का शीर्षक दीजिए। (कुल गुण : ५)

१. ''प्रगट प्रमाण हरिबिन प्राणी, क्यूं जहां तहां भटकता हैं।'' | गुण : १ | |

....

२. ''कोटि कृष्ण जोड़े हाथ, कोटि विष्णु नमे माथ।'' | गुण : १ | |

....

३. ''व्यतिरेक स्वरूप से यह सबसे परे सच्चिदानंदरूप हैं।'' | गुण : १ | |

....

४. ''ए विना रखे ज्ञानी गणो, जेणे हरि नयणे नथी देखिया।'' | गुण : १ | |

....

५. ''ऐसे संत मनुष्य होने पर भी भगवान के समान सेव्य होते हैं।'' | गुण : १ | |

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक	☞		☜	केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ४ गुण - ४		नाम

प्र. ४ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ४)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. परब्रह्म को तत्त्व सहित जानने के लिए : अक्षरब्रह्म की आवश्यकता | गुण : २ | ☐

(१) ☐ तभी उसकी इन्द्रियाँ और अंत:करण, सब अक्षरमय हो जाते है।

(२) ☐ सत्पुरुष के प्रगट होने पर उनके मुख द्वारा ही यह बात समझ में आती है।

(३) ☐ इन सबका कारण माया है।

(४) ☐ जिस प्रकार वे अक्षर में हैं, उस प्रकार प्रकृतिपुरुष में नहीं हैं।

२. स्वामी का असाधारण महिमा – परमहंसों के शब्दों में | गुण : २ | ☐

(१) ☐ बातों में कितनी शक्ति है!

(२) ☐ मैं तो चिरंजीवी हूँ

(३) ☐ अब तो प्रसादी नहीं दूँगा

(४) ☐ कोई कहे हरि हो गये, कोई कहे हरि होवन हार

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.५ निम्नलिखित किसी भी <u>दो</u> विषयों पर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. गुणातीत संत की महिमा : परमहंसों के पदों में

२. उपासना का महत्त्व

३. भगवान साकार कैसे हैं ?

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ५ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र. ६ निम्नलिखित वाक्यों में से किसी भी दो वाक्यों पर कारण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. श्रीजीमहाराज ने एक ही रात में पाँच सौ त्यागियों को 'परमहंस' की दीक्षा दी।

२. परब्रह्म पुरुषोत्तम सर्वकर्ता हैं।

३. श्रीजीमहाराज सर्वोपरी हैं और समस्त अवतारों के अवतारी पुरुष हैं।

( ) ....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

.... गुण : ४ | |

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र – ६ गुण – ८		नाम

(   ) ....

गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ७ गुण - ७		नाम

प्र.७ उपसंहार के आधार पर निम्नलिखित विधानों की पूर्ति कीजिए। (कुल गुण : ७)

(उपासना में क्या समझना चाहिए?)

१. धाम में जो परब्रह्म .....

.....

.....वही ये श्रीजीमहाराज हैं। गुण : १

२. सगुण और .....

.....

..... सूक्ष्म हैं। गुण : १

३. इस लोक में से .....

.....

.....

.....

.....

..... रुप से प्रकट हैं। गुण : १

४. ऐसे प्रकट ब्रह्मस्वरुप .....

.....

.....

.....

.....

.....

..... अधिकारी बन जाता हैं। गुण : १

(उपासना में क्या नहीं समझना चाहिए?)

५. अक्षरब्रह्म मूर्तिमान .....

..... तेज हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

६. प्रकट ब्रह्मस्वरूप संत के .....

..... बन सकते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

७. जब भगवान पृथ्वी .....

.....

.....नहीं होते हैं, ऐसा नहीं समझना चाहिए। गुण : १

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ८ गुण - ५		नाम

प्र. ८ अक्षरब्रह्म गुणातीतानंद स्वामी के शब्दों में श्रीजीमहाराज की सर्वोपरिता। **संक्षिप्त नोंद लिखिए। (कुल गुण : ५)**

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞		☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ९ गुण - ९		नाम	प्र - १० गुण - ५		नाम

विभाग - २ : सत्संग वाचनमाला भाग - ३ और युगविभूति प्रमुखस्वामी महाराज

प्र. ९ निम्नलिखित कथन कौन, किसे और कब कहता है, यह लिखिए। (कुल गुण : ९)

१. ''हमें प्रथम जो संतपुरुष मिले थे वे रामानंद स्वामी थे।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

२. ''आज से करीबन ४० साल पहले मैं काशी जा रहा था।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

३. ''यह मूर्ति हमारे सभी कर्मों की साक्षी है।''

कौन कहता है?..... किसे कहता है?.....

कब कहता है?.....

.....

..... गुण : ३

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१० निम्नलिखित प्रश्नों के एक (संपूर्ण) वाक्य में उत्तर लिखिए। (कुल गुण : ५)

१. धर्मपुर में महाराज ने कुशलकुंवरबा को जीवुबा के लिए क्या आदेश दिया? और क्यों? गुण : १

.....

.....

२. निष्कुलानंद स्वामी की पदरचना में अच्छी तरह से क्या बताया है? गुण : १

.....

.....

३. मुक्तानंद स्वामी ने विद्यार्थी संतों के साथ मिलकर क्या खाया? गुण : १

.....

.....

४. वैश्विक शांति किस प्रकार संभव है? गुण : १

.....

.....

५. कूकड़ और ओदरका के दरबारों को स्वामीश्री ने कौन से अपैया रखने को कहा? गुण : १

.....

.....

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - ११ गुण - ८		नाम

प्र.११ निम्नलिखित विकल्पों में से केवल सही विकल्प के आगे दिए गए चोरस कोष्टक में सही (✓) का निशान करें। (कुल गुण : ८)

सूचना : एक या एक से अधिक विकल्प सही हो सकते हैं। सभी सही विकल्पों के आगे ही सही का निशान किया होगा तो ही पूर्ण गुण प्राप्त होंगे, अन्यथा एक भी गुण प्राप्त नहीं होगा।

१. महाराज ने मुक्तानंद स्वामी की प्रशंसा कौन कौन से वचनामृत में की है ? | गुण : २ |

(१) ☐ गढ़डा प्रथम ५८

(२) ☐ सारंगपुर. ३

(३) ☐ लोया. ३

(४) ☐ गढ़डा अंत्य २८

२. पर्वतभाई की दासत्वभक्ति | गुण : २ |

(१) ☐ हमारे वहाँ क्या कमी है।

(२) ☐ जो सत्संगी के सत्संगी हो वे सब पीछे जाकर बैठिए।

(३) ☐ हमारे लिए तो दो अकाल पड़े।

(४) ☐ आप की मूर्ति के दर्शन छोड़कर भोजन कहाँ से भाये ?

३. त्वमेव माता च पिता त्वमेव | गुण : २ |

(१) ☐ अभी स्नान मत करना।

(२) ☐ मेरे लिए ठंडा पानी रखा है।

(३) ☐ नि:स्नेह आत्मीयता का विस्मरण कतई नहीं हुआ।

(४) ☐ बाहर कहीं मत जाना।

४. रतनसिंह को असाध्य चर्मरोग | गुण : २ |

(१) ☐ जीवन साक्षात् नरक की यातना में डूब गया था।

(२) ☐ आणंद की एक अस्पताल में रहे।

(३) ☐ रतनसिंह की आँखें कृतज्ञता के आँसू से छलछला गई।

(४) ☐ थोड़े ही महिने में रोग दूर होने लगा।

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☐ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १२ गुण - ८		नाम

प्र.१२ निम्नलिखित वाक्यों के बारे में कारण लिखिए। (नौ पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. रघुवीरजी महाराज की देहभाव की ग्रंथियाँ मिट गई। **अथवा**

२. खुशाल भक्त की माँ ने एक नुपूर और एक ज़रियान वस्त्र देखा।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

३. आस्टन के मेयर श्री विल्किन्सन को गुस्सा आ गया। **अथवा**

४. मंगल के रोम-रोम में आनन्द का संचार हुआ था।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... गुण : ४

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

प्र.१३ निम्नलिखित विषय पर प्रमाणसर विवरण लिखिए। (बारह पंक्ति में) (कुल गुण : ८)

१. गोपालानंद स्वामी का त्याग और वैराग्य। **अथवा**

२. तेरे जीव के सामने देखता हूँ तो अभी तो तेरा आधा ही सत्संग रह गया है।

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

गुण : ४	

३. चोर ने संत के चरणों में स्वयं को समर्पित कर दिया। **अथवा**

४. चमचमाति धूप में स्वामीश्री के खुले पाँव

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १३ गुण - ८		नाम

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

..... | गुण : ४ |

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ ☜ **केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें**

विभाग - ३ : निबंध

प्र.१४ निम्नलिखित किसी <u>एक</u> विषय पर करीब ६० पंक्ति में निबंध लिखिए। (कुल गुण : १५)

१. अमर विरासत गुणातीत की : पराभक्ति
२. दो सदी पूर्व जिन्होंने छडी पुकारी स्वच्छता की।
३. छात्रालय की पवित्र भूमि में से परिवर्तन का आरंभ

( ) .....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

.....

सिर्फ मोडरेशन कार्यालय के लिए	प्र - १४ गुण - १५		नाम

उपरोक्त प्रश्नों के कुल गुणांक ☞ [ ] ☜ केवल इन्ही गुणांकों को मुख्य पृष्ठ पर लिखें